दैनिक भास्कर, दिनांक ५ फरवरी २०१०, शुक्रवार

भास्कर खबर से आगे

देहदान : कौन कर सकता है, कैसे होता है शरीर 'अमर' और होते हैं कोन से शौध?

मृत्यु के बाद फिर कई जीवन

ज्योति बसु के देहदान के बाद कोलकाता की स्वयंसेवी संसथा गणदर्पण से तीन हजार लोगों ने संपर्क कर मृत्यु के बाद शरीर दान करने की इच्छा जताई है। अन्य राज्यों में भी मेडिकल साइंस के लिए शरीर देने का संकल्प पत्र भरने वालों की संख्या बढ़ रही है।

ऊर्जा से भरीं प्रीति उन्हाल बैडमिटन के अपने शौक के साथ कांलेज जीवन का पूरा लुत्फ उठा रही थीं। एक सुबह दिन की शुरआत भारी थकान और दिल की बढ़ी धड़कन से हुई। कुछ दिनों बाद छाती में दर्द रहने लगा। जल्दी ही अस्पताल में भर्ती करने की नौबत आ गई। जांच में कार्डियो मायोपैथी का पता चला।

हृदय की पेशी में गड़बड़ी की इस स्थिति में अनियम्त धड़कन के साथ अचानक हृदय गति बंद होने का खतरा रहता है। चार साल ऐसे ही निकालने के बाद स्वस्थ हृदय का प्रत्यारोपण किया गया। आज वे सामान्य जीवन जी रही है। पेशे से मैकेनिक देवी राम की यही कहानी है। ३ अगस्त १९९४ को

एम्स के एनाटॉमी विभाग की प्रमुख डॉ. रानी कुमार।

उनका प्रत्यारोपण किया गया। ब्रेन डेड रोगियों के अंग दान के जरिए हृदय प्रत्यारोपण का लाभ लेने वाले वे देश के पहले हृदयरोगी हैं।

दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का आर्गन रिट्रायवल बैंकिग आर्गनाइजेशन (ऑर्बो) देश में अंग दान को प्रोत्साहित करने वाला अग्रणी संस्थान है। १९५६ में एम्स के साथ एनाटामी डिपार्चमेंच की स्थापना हुई और सालभर बाद हमारे विभाग में ऑर्बो आ गया, बताती है एनाटामी की विभाग प्रमुख डां. रानी कुमार।

प्रीति और दैवी राम की कहानी तो ऑर्बो की सफलता के शुरुआती मुकाम है। ऑर्बो अंग प्रत्यारोपण की जरूरत वाले गंभीर रोगियों की वेटिंग लिस्ट बनाने से लेकर प्रत्यारोपण की गतिविधियां संचालित करने तक सारे काम करता है।

डां. कुमार बताती है, 'ब्रेन डेड रोगयों के अंग प्रत्यारोपन के काम आते हैं। प्रत्यारोपण जल्द से जल्द करना होता है। आंखों का कॉर्निया जरूर अधिकतम छह घंटे तक उपयोगी रहता है।' एनाटांमी के इलेक्ट्रान माइक्रोस्कोपी की सेक्शन ईचार्ज तथा विकसित होते मानव मस्तिष्क व रेटिना के क्षेत्रों की जानी-मानी रिसर्चर डां. शशि वाधवा बताती है, 'मेडिकल में नया ज्ञान निर्मित करने और सर्जरी का हुनर निखारने में मानव देह का कोई विकल्प नहीं है।'

झनपुट: नई दिल्ली, जयपुर, अहमदाबाद, रायपुर, चंडीगढ, भोपाल | फाटो: ओपी सोनी | इल्सट्रेशन: गौतम | नेशनल न्यूजरूम